भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1372
गुरुवार, दिनांक 09 फरवरी, 2023 को उत्तर दिए जाने हेतु

ओशन थर्मल एनर्जी कनवर्जन

1372. श्री एस. रामलिंगमः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने नई ओशन एनर्जी क्षमता यूनिट स्थापित की है/स्थापन किया है/स्थापित करने के लिए पहल की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं तथा इस संबंध में आगे कौन से कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;

(ग) क्या इस संबंध में विशेष समिति द्वारा प्रदर्शन परियोजना शुरू की गई/अनुमोदित की गई है;

(घ) देश में ओशन थर्मल एनर्जी कनवर्जन की कितनी संभावना है;

(ङ) इस प्रकार की क्षमता यूनिट की स्थापना के लिए चयनित संभावित क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है; और

(च) संभाव्यता रिपोर्ट का ब्यौरा क्या है तथा इसके अन्य आनुषंगिक लाभ क्या होंगे?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत मंत्री
(श्री आर.के. सिंह)

(क) से (ग): नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) देश भर में कुशल एवं किफायती ढंग से महासागरीय ऊर्जा सहित नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा की व्यापक स्तर पर स्थापना के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए "अक्षय ऊर्जा अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम" कार्यान्वित कर रहा है।

राष्ट्रीय महासागरीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी), जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत स्वायत्त आर एंड डी संस्थान है, कवरत्ती, लक्षद्वीप में ओशन थर्मल एनर्जी कनवर्जन (ओटीईसी) विलवणीकरण संयंत्र कार्यान्वित कर रहा है, जो ओटीईसी से उत्पादित लगभग 65 किलोवाट विद्युत से संचालित किया जाता है।

(घ) से (च): देश में अब तक ओशन थर्मल एनर्जी कनवर्जन की दोहन योग्य क्षमता का आकलन नहीं किया गया है।

*****